Linking Laws

TANSUKH SIR

The Bridge Between Law & Success

AIBE PRACTICE MCQs (BNS, 2023)

All India Bar Examination (AIBE – 22)

Practice Today Excel Tomorrow

- Chapter-wise MCQs
- As per Latest BNS, 2023
- Exam Oriented & Concept Based
- With Explanations & Key Provisions

Your Success Our Mission

Prepare | Practice | Perform

JODHPUR

AIBE PRACTICE MCQs (BNS, 2023)

1. "लोक सेवक" शब्द के अंतर्गत आने वाले व्यक्ति, निम्न में से किस में आता है?
(a) सेना का आयुक्त अधिकारी
(b) हर न्यायाधीश, जो न्याय निर्णायिक कृत्यों के निर्वहन करने के लिए विधि द्वारा शक्त किया गया हो
(c) न्यायालय का हर अधिकारी
(d) उपरोक्त सभी

2. BNS में पुल्लिंग वाचक शब्द प्रयोग किये गये हैं-
(a) नर हेतु
(b) नारी हेतु
(c) हर व्यक्ति हेतु चाहे वह नर हो या नारी
(d) ऐसे शब्दों का उपयोग इस संहिता में नहीं है

3. भारतीय न्याय संहिता, 2023 के अन्तर्गत मृत्यु दण्ड का लघुकरण किसी अन्य दण्ड के लिए कौन कर सकता है ?
(a) विधि मंत्री
(b) भारत के राष्ट्रपति
(c) राज्यों के राज्यपाल
(d) समुचित सरकार

4. 'लिंग' शब्द को भारतीय न्याय संहिता की किस धारा में स्पष्ट किया गया है ?
(a) धारा 3(2) BNS
(b) धारा 2(10) BNS
(c) धारा 2(22) BNS
(d) धारा 2(19),2(35) BNS

5. भारतीय न्याय संहिता, 2023 के अन्तर्गत जब एकांत परिरोध का दिया गया कारावास तीन मास से अधिक हो, तब दिये गये सम्पूर्ण कारावास के किसी एक मास में एकांत परिरोध .... से अधिक न होगा।
(a) सात दिन
(b) चौदह दिन
(c) पंद्रह दिन
(d) दस दिन

6. निम्नलिखित गतिविधियों पर विचार कीजिए और उनको प्रासंगिक धाराओं के बढ़ते क्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए
I. डकैती
II. गृह-अतिचार
III. सद्भावनापूर्वक दी गई संसूचना
IV. लोक उत्पात (लोक न्यूर्सेस)
नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर को चुनिए
Code -
(a) III, I, IV, II
(b) I, III, II, IV
(c) III, IV, I, II
(d) IV, II, I, III

7. 'A' एक तैराकी का राष्ट्रीय चैम्पियन है, वह एक बच्चे को तालाब में डूबते देखता है, वह उसको डूबने से बचा सकता था परन्तु नहीं बचाता, बच्चा डूब जाता है। क्या 'A' दोषी है –
(a) हत्या का
(b) आत्महत्या के दुष्प्रेरण का
(c) हत्या की कोटि में न आने वाले आपराधिक मानव वध का
(d) कोई अपराध नहीं

8. भारतीय न्याय संहिता में 'सदोष अभिलाभ' एवं 'सदोष हानि' को परिभाषित किया गया है
(a) धारा 22 2(21) में
(b) धारा 23 2 (36), (37),(38) में
(c) धारा 24 2(27) में
(d) धारा 27 3(3) में

9. भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 28 के सन्दर्भ में "शिशु की सम्मति से अभिप्रेत है:
(a) 15 वर्ष से कम आयु के व्यक्ति द्वारा दी गई सम्मति।
(b) 4 वर्ष से कम आयु के व्यक्ति द्वारा दी गई सम्मति।
(c) 13 वर्ष से कम आयु के व्यक्ति द्वारा दी गई सम्मति।
(d) 12 वर्ष से कम आयु के व्यक्ति द्वारा दी गई सम्मति।

10. भारतीय न्याय संहिता की किस धारा के अन्तर्गत दुष्प्रेरण का प्रावधान है?
(a) धारा 44 BNS
(b) धारा 45 BNS
(c) धारा 46 BNS
(d) None of these

11. ग को य की हत्या करने को उकसाने के लिए ख को क उकसाता है। ख तद्नुकुल य की हत्या करने के लिए ग को उकसाता है और ख के उकसाने के परिणामस्वरूप ग उस अपराध को करता है। सजा का भागीदार कौन होगा?
(a) केवल 'C'
(b) केवल 'B'
(c) केवल 'C' & 'B'
(d) केवल 'A', 'B' & 'C'

12. सूची - 1 को सूची – 2 से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गये कूट से सही उत्तर को चुनिये

सूची - 1		**सूची – 2**	
(A)	61	1.	दुष्प्रेरण
(B)	45	2.	दृश्यरतिकता
(C)	299	3.	आपराधिक षडयंत्र
(D)	77	4.	विमर्शित एवं विद्वेशपूर्ण कार्य जो किसी वर्ग के धार्मिक विश्वासों या धर्म का अपमान करके उसके धार्मिक भावनाओं को आहत करने के आशय से किए गए हैं।

(a) (A)-1, (B)-2, (C)-3, (D)-4
(b) (A)-2, (B)-4, (C)-1, (D)-3
(c) (A)-4, (B)-3, (C)-2, (D)-1
(d) (A)-3, (B)-1, (C)-4, (D)-2

13. आपराधिक षड्यंत्र गठित करने के लिए क्या आवश्यक नहीं है?
(a) दो या दो से अधिक व्यक्ति
(b) पांच या पांच से अधिक व्यक्ति
(c) अवैध कार्य को या किसी कार्य को अवैध साधनों से करने का करार
(d) यदि कार्य अपराध नहीं है तो करार के अनुसरण में कोई कार्य करना

JGP (Judiciary Guidance Program) - Click Now to Enroll
AIBE Study Materials – Click Here to Buy Now
AGP (Advocacy Guidance Program)- Click Now to Enroll
AIBE 22 Guidance Program- Click Now to Enroll

14. "उच्चतम न्यायालय ने, किन्नर (ट्रान्सजेन्डर) को तीसरे लिंग के रूप में स्वीकार किया है जिन्हें सभी अधिकार व आरक्षण का अधिकार प्राप्त है निम्न में से किस वाद में
(a) नाज फाउण्डेसन ब0 रा० राजधानी क्षेत्र (दिल्ली) में
(b) बलजीत ब० हरियाणा राज्य में
(c) नालसा ब0 भारत संघ में
(d) बजरेश वेंकटरे अनवेकर ब0 कर्नाटक राज्यमें

15. भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत क्या एक अपराध नहीं है?
(a) वैवाहिक बलात्संग
(b) द्विविवाह
(c) दंगा
(d) रिष्टि

16. महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न परिभाषित किया गया है भारतीय न्याय संहिता की
(a) धारा 75 BNS में
(b) धारा 75 BNS में
(c) धारा 76 BNS में
(d) धारा 79 BNS में

17. भारतीय दण्ड संहिता में "दृश्यकारिता" निम्न में किसके प्रति अपराध है ?
(a) लड़के के
(b) किन्नर के
(c) स्त्री के
(d) उपरोक्त सभी के

18. भारतीय न्याय संहिता, 2023 के अन्तर्गत निम्नलिखित में किस अध्याय में 'मानव शरीर पर प्रभाव डालने वाले अपराध' हेतु प्रावधान किये गये हैं ?
(a) अध्याय XVII BNS
(b) अध्याय VI BNS
(c) अध्याय XVIII BNS
(d) अध्याय XIX BNS

19. "A" भारत में "B" को, जो पाकिस्तान में एक विदेशी है, पाकिस्तान में हत्या करने के लिये उकसाता है। "B" हत्या कर देता है। इस मामले में:
(a) 'A' हत्या के दुष्प्रेरण का दोषी है।
(b) 'A' किसी अपराध का दोषी नहीं है
(c) 'A' हत्या का दोषी है
(d) उपर्युक्त में से कोई उत्तर सही नहीं है

20. गंभीर एवं अचानक प्रकोपन है :
(a) विधि के अन्तर्गत एक उपधारणा
(b) विधि का प्रश्न
(c) तथ्य का प्रश्न
(d) केवल डकैती करने के लिये तैयारी करना

21. भारतीय न्याय संहिता, 2023 की निम्न धाराओं में से किममें सम्पत्ति चूराने के प्रयत्न में हमला या आपराधिक बल का प्रयोग दण्डनीय है?
(a) धारा 303 में
(b) धारा 306 में
(c) धारा 308 में
(d) धारा 134 में

22. 'य पर अपना मुक्का क इस आशय से यह संभाव्य जानते हुये हिलाता है कि उसके द्वारा य को यह विश्वास हो जाये कि क, य को मारने वाला ही है। क ने...............
(a) बल प्रयोग किया है
(b) हमला किया है
(c) गंभीर प्रकोपन किया है
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

23. 'अभ्यर्थी' और 'निर्वाचन अधिकार' शब्दों को BNS की किस धारा में बताया गया है?
(A) धारा 168 BNS
(B) धारा 169 BNS
(C) धारा 170 BNS
(D) धारा 171 BNS

24. भारतीय न्याय संहिता, 2023 के अन्तर्गत निम्न में से किसमें प्रतिनिधिक आपराधिक दायित्व के सिद्धान्त को मान्यता प्रदान की गयी है?
(a) धारा 3(5) में
(b) धारा 190 में
(c) दोनों धारा (a) तथा (b) में
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

25. जब एक व्यक्ति सदाचार हेतु प्रतिभूति प्रस्तुत करने के लिए मजिस्ट्रेट के पास ले जाते समय विधिक अभिरक्षा से भागने का प्रयास करता है तो उसे भारतीय न्याय संहिता की किस धारा के प्रावधानों के अन्तर्गत दण्डित किया जा सकता है ?
(a) धारा 262 BNS में
(b) धारा 263 BNS में
(c) धारा 264 BNS में
(d) धारा 265 BNS में

26. भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2) BNS :
(a) चोरी के अपराध को परिभाषित करती है।
(b) चोरी के अपराध के दण्ड का प्रावधान करती है ।
(c) उपरोक्त (a) तथा (b) दोनों ।
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं ।

27. चेतना एवं विजेयता एक ही दफ्तर में काम करती हैं। चेतना को विजेयता का एक सरकारी वचनपत्र मिलता है जिस पर निरंक पृष्ठांकन है। चेतना यह जानते हुए कि यह वचनपत्र विजेयता का है, उसे ऋण के लिए प्रतिभूति के रूप में बैंक के पास इस आशय से रख देती है कि वह भाविष्य में उसे विजेयता को प्रत्यावर्तित कर देगी। निम्न में से कौनसा कथन सत्य है ?
(a) चेतना ने कोई अपराध कारित नहीं किया क्योंकि उसका आशय यह था कि भाविष्य में उसे विजेयता को प्रत्यावर्तित कर देगी।
(b) चेतना ने सम्पत्ति को बेईमानीपूर्वक दुर्विनियोग करने का अपराध कारित किया है।
(c) चेतना ने एक सरकारी वचनपत्र के संबन्ध में आपराधिक न्यासभंग का अपराध कारित किया है।
(d) चेतना ने छल का अपराध कारित किया है।

28. आपराधिक दुर्विनियोग के मामले में पश्चातवर्ती आशय होना चाहिए
(a) कपटपूर्ण
(b) बेईमान
(c) निदोष
(d) अवैध

JGP (Judiciary Guidance Program) - Click Now to Enroll
AIBE Study Materials – Click Here to Buy Now
AGP (Advocacy Guidance Program)- Click Now to Enroll
AIBE 22 Guidance Program- Click Now to Enroll

29. ऐसी सम्पत्ति जो मृत व्यक्ति के कब्जे में उसकी मृत्यु के समय थी, जो बेईमानी से दुर्विनियोग करता है, भारतीय न्याय संहिता की निम्नलिखित में से किस धारा में दण्डनीय अपराध है ?
(a) धारा 315 BNS में
(b) धारा 316(2) BNS में
(c) धारा 316(3) BNS में
(d) धारा 316(5) BNS में

30. एक पुलिस अधिकारी द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों से 5,000 रूपये का जुर्माना प्राप्त किया गया है। जुर्माने को राजकीय कोष में जमा कराने के बजाय वह उसका स्वयं के हितार्थ उपयोग कर लेता है। पुलिस अधिकारी द्वारा भारतीय न्याय संहिता के अधीन कौनसा अपराध कारित किया गया है?
(a) आपराधिक न्यास भंग
(b) रिष्टि
(c) सरकार से छल
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

31. भूमि या जल से ले जाने के लिए 'य' ने 'क' के पास, जो एक वाहक है, सम्पत्ति न्यस्त की है, 'क' उस सम्पत्ति का बेईमानी से दुर्विनियोग कर लेता है। 'क' ने अपराध किया है:
(a) सम्पत्ति का बेईमानी से दुर्विनियोग का
(b) छल का
(c) आपराधिक न्यास भंग का
(d) वाहक आदि द्वारा आपराधिक न्यास भंग का

32. राम तीर्थयात्रा पर जाते समय अपना संदूक जिसमें गहने हैं, अपने पड़ौसी श्याम को न्यस्त करके जाता है। श्याम उक्त संदूक को बिना किसी प्राधिकार के बेईमानीपूर्वक, रिष्टी करने के आशय से तोड़कर खोल लेता है। श्याम द्वारा अपराध किया गया है;
(a) BNS की धारा 316 का
(b) BNS की धारा 303 का
(c) BNS की धारा 334 का
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

33. भारतीय न्याय संहिता, 2023 की निम्न किस धारा के अन्तर्गत प्रच्छन्न गृह अतिचार अपराध को परिभाषित किया गया है?
(a) धारा 329 में
(b) धारा 330(3) में
(c) धारा 330(2) में
(d) धारा 330(1) में

34. 'क' इस आशय से और यह सम्भाव्य जानते हुए कि 'य' की फसल का नुकसान कारित करे, य के खेत में पशुओं का प्रवेश कारित करता है । 'क' का अपराध भा.द.स. में होगा –
(a) छल का
(b) रिष्टि का
(c) सम्पत्ति का बेईमानी से दुर्विनियोग का
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

35. निम्नलिखित में से कौन सा सही सुमेलित नहीं है ?

	अपराध		भारतीय न्याय संहिता की धारा
(a)	आपराधिक अतिचार	-	329
(b)	गृहभेदन	-	330
(c)	रिष्टि	-	333
(d)	कूटरचना	-	336

36. निम्नलिखित में से कौनसा मानहानि के अपराध के लिए अपवाद की श्रेणी में नहीं आता है ?
(a) सत्य बात का लांछन जिसका लगाया जाना या प्रकाशित किया जाना लोक कल्याण के लिए अपेक्षित है
(b) लोक सेवकों का लोकाचरण
(c) न्यायालय में विनिश्चित मामले के गुणागुण या साक्षियों तथा संपृक्त अन्य व्यक्तियों का आचरण
(d) किसी अन्य व्यक्ति के ऊपर विधिपूर्ण प्राधिकार न रखने वाले व्यक्ति द्वारा की गई ऐसे अन्य व्यक्ति की परिनिन्दा

37. आपराधिक विधि के मूल सिद्धांत न्यूलम क्रिमेन नुल्ला पोएना साइन लेगे' से तात्पर्य है.
(a) बिना पूर्व स्थापित आपराधिक विधि के कोई भी कार्य अपराध या दाण्डिक नहीं हो सकता
(b) जब तक दोष सिद्ध नहीं हो जाता तब तक व्यक्ति निर्दोष होता है
(c) विधि की भूल क्षम्य नहीं है
(d) तथ्य की भूल क्षम्य है

38. "अपराध एक ऐसा कृत्य है जो विधि द्वारा निषिद्ध है तथा समाज के नैतिक मनोभावों के प्रतिकूल, दोनों ही होता है।" किसने यह परिभाषित किया है ?
(a) ब्लैकस्टोन ने
(b) स्टीफेन ने
(c) पाउन्ड ने
(d) ऑस्टिन ने

39. भारतीय न्याय संहिता के प्रावधानों के अन्तर्गत निम्नलिखित में से कौन सा युग्म सही सुमेलित नहीं है ?
(a) आर बनाम स्वीन्डल एण्ड ओसबोर्न - अंशदायी उपेक्षा
(b) आर बनाम डडले एण्ड स्टेफेन - आत्म संरक्षण
(c) आर बनाम अर्नाल्ड - विकृतचित्त व्यक्ति का कृत्य
(d) बासुदेव बनाम पेप्सु राज्य - कार्य जिसमें मृत्यु कारित करने का आशय न हो

40. रैग बनाम गोविन्दा (1876) आई एल आर 1 बॉम्बे 342 के मामले में अन्तिम निर्णय किसके द्वारा दिया गया ?
(a) न्यायाधीश आर. एफ. मैक्टर
(b) न्यायाधीश मैल्विल
(c) न्यायाधीश जॉन रॉबर्टस
(d) न्यायाधीश सैम्यूल अलिटो

AIBE 22
Guidance Program
(Live + Recorded)
This is a smart, Bare Acts–based program designed with a single-minded goal
Crack the AIBE (All India Bar Examination)

BAR COUNCIL OF INDIA
Scan this QR
Course Brochure
Live Classes | Study Material Access
Recorded Classes | Full Mock Test
6 Months Validity | Practice Test Series
Linking Support
988 774 6465 (Classes)
773 774 6465 (Publication)
Scan this QR
Enrol Now or visit
linkinglaws.classx.co.in
www.LinkingLaws.com

All India Bar Examination XXII Practice
Answer Key (BNS, 2023)

Q. No.	*Ans.*	Q. No.	*Ans.*	Q. No.	*Ans.*	Q. No.	*Ans.*
1.	[d]	11.	[d]	21.	[d]	31.	[c]
2.	[c]	12.	[d]	22.	[b]	32.	[c]
3.	[d]	13.	[b]	23.	[b]	33.	[d]
4.	[b]	14.	[c]	24.	[c]	34.	[b]
5.	[a]	15.	[a]	25.	[d]	35.	[c]
6.	[c]	16.	[b]	26.	[b]	36.	[d]
7.	[d]	17.	[c]	27.	[b]	37.	[a]
8.	[b]	18.	[b]	28.	[b]	38.	[b]
9.	[d]	19.	[a]	29.	[a]	39.	[d]
10.	[b]	20.	[c]	30.	[a]	40.	[b]

AIBE BARE ACTS COMBO SET©
Comprehensive Study Package
Study Materials (Major & Minor Laws inc. other Study Material
You can carry these Bare Act in Exam Hall for AIBE
Linking Support
988 774 6465 (Classes)
773 774 6465 (Publication)
Scan this QR
Order Now or visit
www.LinkingLaws.com

Diglot Edition

English Edition
Link Provision
Section Switching Table
illustration Table
Bracket Presentation
Amendment Analysis
Key Words of Section
www.LinkingLaws.com

JGP (Judiciary Guidance Program) - Click Now to Enroll
AIBE Study Materials – Click Here to Buy Now
AGP (Advocacy Guidance Program)- Click Now to Enroll
AIBE 22 Guidance Program- Click Now to Enroll

1. **Ans. [d]**
लिंकिंग प्रावधान; धारा 21 (2(28) BNS), L/w 14 (deleted), 19 (2(16) BNS), 20 IPC (2(5) BNS), 2(17) सिविल प्रक्रिया संहिता।

2. **Ans. [c]**
लिंकिंग प्रावधान:- धारा 74- में 'वह' में महिला भी सम्मिलित है। महिला भी किसी स्त्री की लज्जा भंग कर सकती है ।
स्पष्टीकरण - धारा **2(10) BNS),** - लिंग- पुल्लिंग वाचक शब्द प्रयोग किये गए हो वहा स्त्री पुरुष दोनों के लिए लागू ।

3. **Ans [d]**
लिंकिंग प्रावधान:-
1. अनुच्छेद 72 – राष्ट्रपति की क्षमादान शक्ति।
2. अनुच्छेद 161 – राज्यपाल की क्षमादान शक्ति।
3. धारा 433 CrPC (धारा 474 BNSS)- सजा कम करने की शक्ति।
4. धारा 434 CrPC (धारा 476 BNSS) - केंद्र सरकार की शक्ति।
5. धारा 55 IPC (धारा 5 BNS)– आजीवन कारावास की सजा का लघुकरण।
स्पष्टीकरण:- धारा 54 IPC (धारा 5 BNS)– मृत्युदंड के मामले में उपयुक्त सरकार, अपराधी की सहमति के बिना, किसी अन्य दंडादेश के लिए दंडादेश का लघुकरण कर सकती है।

4. **Ans [b]**
लिंकिंग प्रावधान:-
1. धारा 10(धारा 2(19) **BNS)** - पुरुष और स्त्री
2. महिलाओं के विरुद्ध अपराध में निम्नलिखित शामिल हो सकते हैं:-
   (i) धारा 354A (धारा **75 BNS)**– लैंगिक उत्पीड़न
   (ii) धारा 354B(धारा **76 BNS)** – महिला को विर्वस्त्र करने के आशय से बल प्रयोग करना।
   (iii) धारा 354C(धारा **77 BNS)** – दृश्यकारिता
   (iv) धारा 354D (धारा **78 BNS)**– पीछा करना
   (v) धारा 375/376 (धारा **63/64 BNS)**– बलात्संग
   (vi) धारा 509 (धारा **79 BNS)**– किसी स्त्री की लज्जा का अनादर करने के लिए आशयित शब्द, अंग विक्षेप या कार्य।

स्पष्टीकरण:- धारा 8 (धारा 2(10) BNS) – पुल्लिंग वाचक शब्द जहाँ उपयोग किए जाते हैं, वे हर व्यक्ति के बारे में लागु हैं, चाहे वह पुरुष हो या महिला।

5. **Ans. (a)**
लिंकिंग प्रावधान:- धारा 73/77 (**धारा 11**/15 BNS)
स्पष्टीकरण - धारा **74** (धारा 12 **BNS) -** जब दंड **3** महीने तक का कारावास, तो एक महीने में **14** दिन एकांत परिरोध और फिर उतना ही अंतराल होगा। जब दंड **3** महीने से अधिक है तो एकांत परोरोध एक महीने मे **7** दिन और उतना ही अंतराल होगा। एकांत परिरोध किसी भी दशा में **3** माह से अधिक नहीं होगा।

6. **Ans [c]**
स्पष्टीकरण-
- **धारा 93 (धारा 31 BNS)** सद्भावनापूर्वक दी गई संसूचना से संबंधित है।
- **धारा 391 (धारा 310 BNS)** डकैती से संबंधित है ।
- **धारा 268 (धारा 270 BNS)** लोक उत्पात से संबंधित है।
- **धारा 442 (धारा 329 BNS)** गृह-अतिचार से संबंधित है।

7. **Ans [d]**
स्पष्टीकरण- दिए गए मामले में, A ने कोई अपराध नहीं किया है। भले ही, वह तैराकी का राष्ट्रीय चैंपियन था, लेकिन वह BNS के किसी भी अपराध के लिए दायी नहीं होगा। हालाँकि, यह नैतिक रूप से गलत हो सकता है क्योंकि A बच्चे को डूबने से बचा सकता था, ऐसा नहीं किया। लेकिन, यह BNS में दंडनीय नहीं है।

JUDICIARY GUIDANCE PROGRAM (JGP)
Live + Recorded Course
Complete Syllabus Coverage
Mock Test Series | SubjectWise Practice Set | Recorded Lectures | Practice & Revision Sessions | Expert Mentorship (Tansukh Sir) | Bilingual Classes
Linking Support
988 774 6465 (Classes)
773 774 6465 (Publication)
Scan this QR ENROL NOW

ADVOCACY GUIDANCE PROGRAM (JGP)
Validity - 03 Months
Complete Syllabus Coverage
Civil Court Practice | Criminal Court Practice | Cyber Law Practice | Dual Mode Learning | Legal Personality Development | Structured 3 Volumes
is available at Linking App.
Scan this QR ENROL NOW

JGP (Judiciary Guidance Program) - Click Now to Enroll
AIBE Study Materials – Click Here to Buy Now
AGP (Advocacy Guidance Program)- Click Now to Enroll
AIBE 22 Guidance Program- Click Now to Enroll

8. **Ans. [b]**
लिंकिंग प्रावधान -
1. **धारा 24**(**धारा** 2(7) BNS)- बेईमानी (बेईमानी मे सदोष लाभ व सदोष हानि निहित रहता है)।
2. **धारा 425** (**धारा** 324(1) BNS)- रिष्टि (सदोष हानि - दुराशाय के रूप में निहित)।

स्पष्टीकरण - धारा 23 **(धारा 2(36),(37),(38) BNS)** - सदोष अभिलाभ प्राप्त करना व सदोष हानि उठाना।

9. **Ans. (d)**
लिंकिंग प्रावधान:-
1. **धारा** 82 (20 BNS) - 7 वर्ष तक
2. **धारा** 83 (21 BNS) - जहाँ 7 वर्ष से अधिक 12 वर्ष से अनधिक
3. **धारा** 89, 90 (27, 28 BNS) - 12 वर्ष
4. **धारा** 300 (101 BNS) अपवाद 5 - 18 वर्ष से अधिक
5. **धारा** 317 (93 BNS) - 12 वर्ष से कम
6. **धारा** 361 (137 BNS) - 18 वर्ष से कम **(महिला)** 16 वर्ष से कम**(पुरुष)**
7. **धारा** 366A (96 BNS) - 18 वर्ष से कम
8. **धारा** 366B (141 BNS) - 21 वर्ष से कम
9. **धारा** 369 (97 BNS) - 10 वर्ष से कम
10. **धारा** 375 (63 BNS) - 18 वर्ष से कम
11. **धारा** 375 (63 BNS) **स्प.** II-15 वर्ष से कम **(मामला-इंडिपेंडेंट थोट्स ब. भारत संघ)**
12. **धारा** 376AB (67 BNS) - 12 वर्ष से कम
13. **धारा** 376DA (deleted in BNS) - 16 वर्ष से कम
14. **धारा** 376DB (deleted in BNS) - 12 वर्ष से कम

स्पष्टीकरण - धारा 90 (28 BNS) - शिशु की आयु 12 वर्ष।

10. **Ans. [b]**
लिंकिंग प्रावधान :-
1. **धारा 121 (धारा 147 BNS)-** भारत सरकार के विरुद्ध युद्ध करने का दुष्प्रेरण।
2. **अध्याय 7 -** सेना, नौसेना और वायुसेना को विद्रोह या अपराध का दुष्प्रेरण।
3. **धारा 120A(धारा 61(1) BNS) -** आपराधिक षड्यंत्र।
4. **धारा 305/306 (धारा 107/108 BNS)-** आत्महत्या का दुष्प्रेरण।
5. **धारा 43 (धारा 2(15) BNS)-** अवैध।

स्पष्टीकरण - धारा 107**(धारा 45 BNS)** - दुष्प्रेरण का अपराध- किसी बात को करने के लिए उकसाना, षडयंत्र में सम्मिलित होना, साशय सहायता करना।

11. **Ans. [d]**
लिंकिंग प्रावधान:- धारा 108 IPC**. (46 BNS)**
स्पष्टीकरण: **ख** अपने कार्य के लिए हत्या की सजा से दंडित होने के लिए उत्तरदायी है; और, जैसा कि **क** ने **ख** को अपराध करने के लिए उकसाया, **क** भी उसी सजा के लिए उत्तरदायी है।

12. **Ans [d]**
स्पष्टीकरण-
1. **धारा 120क (धारा 61 BNS)** आपराधिक षडयंत्र से संबंधित है।
2. **धारा 107 (धारा 45 BNS)** दुष्प्रेरण से संबंधित है ।
3. **धारा 295ग (धारा 299 BNS)** विमर्शित और विद्वेषपूर्ण कार्य जो किसी वर्ग के धर्म या धार्मिक विश्वासों का अपमान करके उसकी धार्मिक भावनाओं को आहत करने के आशय से किए गए हों, से संबंधित है।
4. **धारा 354ग (धारा 77 BNS)** दृश्यरतिकता से संबंधित है।

13. **Ans. [b]**
लिंकिंग प्रावधान:-
1. **धारा 120 क (धारा 61 BNS) -** आपराधिक षडयंत्र की परिभाषा।
2. **धारा 120-ख (धारा 61 BNS) -** आपराधिक षडयंत्र का दंड।

स्पष्टीकरण:- आपराधिक षडयंत्र के आवश्यक तत्व हैं
(i) दो या दो से अधिक व्यक्तियों के बीच एक करार ;
(ii) करार या तो
(क) एक अवैध कार्य करने या करवाने से संबंधित होना चाहिए; या
(ख) ऐसा कार्य जो अपने आप में अवैध नहीं है लेकिन अवैध तरीकों से किया गया है।

JGP (Judiciary Guidance Program) - Click Now to Enroll
AIBE Study Materials – Click Here to Buy Now
AGP (Advocacy Guidance Program)- Click Now to Enroll
AIBE 22 Guidance Program- Click Now to Enroll

14. Ans. [C]

लिंकिंग प्रावधान :-

1. **धारा 8** (**धारा** 2(10) BNS)– लिंग की परिभाषा।
2. **अनुच्छेद 14 -** व्यक्ति को विधि के समक्ष समता (भारतीय संविधान) ।
3. **अनुच्छेद 15/16/326 -** लिंग के आधार पर भेदभाव की मनाही (भारतीय संविधान)।

स्पष्टीकरण - मामला - राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण(नालसा) बनाम भारत संघ, 2014 के द्वारा सर्वोच्च न्यायलय द्वारा परालिंगी (थर्ड जेंडर) को तिसरे लिंग के रूप मे स्वीकार किया तथा सभी अधिकार उपलब्ध कराये।

15. Ans. [a]

लिंकिंग प्रावधान:- धारा 376**ख IPC. (67 BNS)**

स्पष्टीकरण: वैवाहिक **बलात्संग** भारत में अपराध नहीं है**।**

द्विविवाह- धारा 494 (82(1) BNS)

बलवा- धारा 159 (194(1) BNS)

रिष्टि- धारा 425 (324(1) BNS)

16. Ans. [b]

लिंकिंग प्रावधान- धारा **354A**(धारा 75 BNS) **L/w 304B**(धारा 80 BNS)**, 312-318**(धारा 88-94 BNS)**, 354B-354D**(धारा 76-78 BNS)**, 366**(धारा 87 BNS)**, 493**(धारा 81 BNS)**, 497**(Delete BNS) **IPC, 2(n), 3 SHWWA, 2(j), 11, 12 POCSO.**

स्पष्टीकरण-धारा 354A (धारा 75 BNS) में कहा गया है कि एक पुरुष ने एक महिला के विरुद्ध लैंगिक उत्पीड़न किया है, जब-

(क) शारीरिक संपर्क और अग्रक्रियाएं जिनमें स्पष्ट लैंगिक प्रस्ताव शामिल हैं; या
(ख) लैंगिक स्वीकृति के लिए मांग या प्रस्ताव; या
(ग) महिला की इच्छा के विरुद्ध अश्लील साहित्य का प्रदर्शन; या
(घ) संकेत जो लैंगिक आभासी टिप्पणियां देता है।

17. Ans. [c]

लिंकिंग प्रावधान- धारा **354C L/w** 304B, 312-318, 354A, 354B, 354D, 366, 375-376DB, 493, 497, 498, 498A, 509 IPC (धारा 77 L/w 80, 88-94, 75, 76, 78, 87, 63-71, 81, 84, 85, 86, 79 BNS)

स्पष्टीकरण- दृश्यकारिता की अवधारणा को IPC की धारा 354C (धारा 77 BNS) के तहत समझाया गया है। यह किसी भी पुरुष द्वारा किसी महिला को गुप्त रूप से देखने की क्रिया को संदर्भित करता है। यह एक ऐसा कार्य है जो किसी और के व्यक्तिगत स्थान और गोपनीयता पर आक्रमण करता है। धारा 354C (धारा 77 BNS) इसे अपने निजी कृत्यों के लिए जाने वाली लड़की या महिला की छवि को देखने और/या चित्र खींचने के रूप में वर्णित करती है, जहां वह सोचती है कि कोई उसे नहीं देख रहा है।

18. Ans [b]

लिंकिंग प्रावधान:-

1. धारा 40 **(**धारा **2(24) BNS)**– अपराध
2. धारा 2(n) (धारा 2(1)(q) BNSS)– अपराध CrPC

स्पष्टीकरण:- IPC का अध्याय XVI मानव शरीर को प्रभावित करने वाले अपराधों से संबंधित है जिसमें धारा (धारा 100/71 BNS) शामिल हैं।

19. Ans. [a]

लिंकिंग प्रावधान:-

1. **धारा 107 (धारा 45 BNS) -** किसी बात का दुष्प्रेरण।
2. **धारा 108-क (धारा 47 BNS) -** भारत से बाहर अपराधों का भारत में दुष्प्रेरण।

स्पष्टीकरण:- यह मामला आईपीसी की धारा 108-क (धारा 47 BNS) के चित्रण (क) के समान है।

20. Ans [c]

लिंकिंग प्रावधान:-

1. **गंभीर और अचानक प्रकोपन:-** धारा 300(धारा 101 BNS) अपवाद पहला, धारा 334(धारा 122(1) BNS), धारा 335(धारा 122(2) BNS), and धारा 358(धारा 136 BNS).
2. के. एम. नानावती बनाम महाराष्ट्र राज्य (1961)

स्पष्टीकरण:- धारा 300(धारा 101 BNS) , अपवाद I- गंभीर और अचानक प्रकोपन प्रत्येक मामले में तथ्य का प्रश्न है।

AIBE XXII
Complete Syllabus Coverage
SubjectWise Practice Set
Recorded Lectures
Practice & Revision Sessions
Expert Mentorship (Tansukh Sir)
Bilingual Classes
Recorded Course Validity : 06 Months
www.LinkingLaws.com
Linking Support
988 774 6200, 988 774 6465
(Classes)
ENROL NOW

JGP (Judiciary Guidance Program) - Click Now to Enroll
AIBE Study Materials – Click Here to Buy Now
AGP (Advocacy Guidance Program)- Click Now to Enroll
AIBE 22 Guidance Program- Click Now to Enroll

21. Ans. [d]

लिंकिंग प्रावधान:-

1. **धारा 378 (धारा 303 BNS) -** चोरी।
2. **धारा 379 (धारा 303 BNS) -** चोरी के लिए दण्ड।
3. **धारा 350 (धारा 129 BNS) -** आपराधिक बल।
4. **धारा 351 (धारा 130 BNS) -** हमला।

स्पष्टीकरण:- धारा 356 **(धारा 134 BNS)**: जो कोई किसी संपत्ति पर चोरी करने के प्रयास में किसी व्यक्ति पर हमला करता है या आपराधिक बल का प्रयोग करता है, जिसे वह व्यक्ति पहन रहा है या ले जा रहा है, उसे इस प्रावधान के तहत दंडित किया जाएगा।

22. Ans. [b]

लिंकिंग प्रावधान:-

1. **धारा 350 (धारा 129 BNS) -** आपराधिक बल।
2. **धारा 351 (धारा 130 BNS) -** हमला।

स्पष्टीकरण: - यदि 'क' 'य' पर मुक्का उठाकर इस आशय से हिलाता है कि 'य' को यह विश्वास हो जाए कि 'क' उसे मारने वाला है → यह हमला है, भले ही वास्तविक प्रहार न किया गया हो।

23. Ans. [B]

लिंकिंग प्रावधान; **धारा**.171A (169 BNS) L/w **धारा**.171B-D IPC.(170-172 BNS)

स्पष्टीकरण- अध्याय 9A (धारा 171A-171I) चुनाव से संबंधित अपराधों से संबंधित है। यह 1920 के अधिनियम 39 द्वारा डाला गया था। धारा 171A "अभ्यर्थी" और "चुनावी अधिकार" को परिभाषित करता है।

'अभ्यर्थी'- वह व्यक्ति जिसे किसी चुनाव में उम्मीदवार के रूप में नामांकित किया गया हो।

चुनावी अधिकार- किसी व्यक्ति का किसी चुनाव में खड़े होने या न खड़े होने या उम्मीदवार बनने से पीछे हटने या वोट देने या वोट देने से परहेज करने का अधिकार।

24. Ans. [c]

लिंकिंग प्रावधान:-

1. **धारा 34 [धारा 3(5) BNS] -** सामान्य आश्य को अग्रसर करने में कई व्यक्तियों द्वारा किए गए कार्य।
2. **धारा 149 (धारा 190 BNS) -** विधिविरुद्ध जमाव का हर सदस्य, सामान्य उद्देश्य को अग्रसर करने के किए गए अपराध का दोषी।

स्पष्टीकरण: - आईपीसी के तहत, धारा 34 और धारा 149 दोनों प्रत्येक व्यक्ति पर उन कार्यों के लिए प्रतिवर्ती दायित्व थोपती हैं जो जरूरी नहीं कि उनके द्वारा किए गए हों।

25. Ans. [d]

लिंकिंग प्रावधान- धारा 225-ख (**धारा** 265 BNS) **L/w 224**(**धारा** 262 BNS)**, 225**(**धारा** 263 BNS) **IPC.**

स्पष्टीकरण-धारा 225-ख (**धारा** 265 BNS) अन्यथा अनूपबंधित दशाओं में विधिपूर्वक पकड़ने में प्रतिरोध या बाधा**,** या भागना या छुड़ाना से संबंधित मामलों से संबंधित है। इस धारा के अनुसार**,** जो कोई भी जानबूझकर खुद को या किसी अन्य व्यक्ति की विधिपूर्वक पकड़ने के लिए प्रतिरोध या अवैध बाधा की पेशकश करता है**,** या विधिक अभिरक्षा से भागने या भागने का प्रयास करता है या किसी अन्य व्यक्ति को विधिक अभिरक्षा से छुड़ाना या छुड़ाने का प्रयास करता है**,** वह इस धारा के तहत दोषी ठहराया जाएगा।

26. Ans. [b]

लिंकिंग प्रावधान :-

1. धारा 24 (धारा 2(7) BNS)- बेईमानी।
2. धारा 27 (धारा 3(3) BNS)- संपति पर कब्जा।
3. धारा 378 (धारा 303(1) BNS)- चोरी।

स्पष्टीकरण - धारा 379 **(धारा 303(2) BNS)** - चोरी के लिए दंड - कारावास जो तीन वर्ष तक का हो सकेगा या जुर्माने से या दोनों से दंडित किया जायेगा।
धारा 378 **(धारा 303(1) BNS)**- चोरी के लिए निम्न तत्व होना आवश्यक है - 1) बेईमानी, 2) जंगम संपति, 3) संपति पर किसी का कब्जा होना , 4) हटाना, 5) सहमति के बिना ।

27. Ans. [b]

लिंकिंग प्रावधान:-

1. **धारा 404 (धारा 315 BNS) –** किसी ऐसे व्यक्ति के पास मौजूद संपत्ति का बेईमानी से दुर्विनियोग।
2. **धारा 24 [धारा 2(7) BNS] –** बेईमानी से।
3. **ICA की धारा 71 –** माल खोजने वाले की जिम्मेदारी।

स्पष्टीकरण:- IPC की धारा 403 (धारा 314 BNS) संपत्ति के बेईमानी से दुरुपयोग के अपराध से संबंधित है। दुर्विनियोग का अपराध स्थापित करने के लिए निम्नलिखित तत्वों को संतुष्ट करना होगा:

(1) प्रतिवादी ने संपत्ति का गबन किया और संपत्ति को अपने उपयोग में बदल लिया।
(2) वह ऐसा बेईमानी से करता है।
(3) संपत्ति जंगम है; और

JGP (Judiciary Guidance Program) - Click Now to Enroll
AIBE Study Materials – Click Here to Buy Now
AGP (Advocacy Guidance Program)- Click Now to Enroll
AIBE 22 Guidance Program- Click Now to Enroll

(4) जंगम संपत्ति परिवादी की थी।
तो उपरोक्त मामले में चेतना ने संपत्ति के बेईमानी से दुर्विनियोग का अपराध किया है।
संहिता की धारा 403 (धारा 314 BNS) के तहत अपराध असंज्ञेय, जमानती, न्यायालय की अनुमति से शमनीय और किसी भी मजिस्ट्रेट द्वारा विचारणीय है।

28. Ans. [b]
लिंकिंग प्रावधान:-
1. **धारा 24 [धारा 2(7) BNS] -** "बेईमानी से"।
2. **धारा 403 (धारा 314 BNS) -** संपत्ति का बेईमानी से दुर्विनियोग।

29. Ans. [a]
लिंकिंग प्रावधान- धारा 404(धारा 315 BNS) **L/w 403(धारा** 314 BNS)**, 405(धारा** 316(1) BNS) **IPC.**
स्पष्टीकरण-धारा 404 (**धारा** 315 BNS) मृत व्यक्ति की मृत्यु के समय उसके पास मौजूद संपत्ति के बेईमानी से दर्विनियोग से संबंधित है। जो कोई भी इस धारा के तहत अपराध करता है, उसे 3 साल तक की अवधि के लिए कारावास और जुर्माने से दंडित किया जाएगा, और यदि ऐसे व्यक्ति की मृत्यु के समय अपराधी उसके द्वारा लिपिक या नौकर के रूप में नियुक्त किया गया था, तो कारावास 7 साल तक बढ़ाया जा सकता है।

30. Ans. [a]
लिंकिंग प्रावधान
1. **धारा** 405 (धारा 316(1) **BNS) :-** आपराधिक न्यास भंग- पांच कार्य में से किसी को करके किया जा सकता है। जंगम और स्थावर दोनों संपत्ति का हो सकता है ।
2. **धारा 197** द. प्र.सं. 1973

स्पष्टीकरण - धारा 409 (316(5) BNS) के अंतर्गत आने वाला आपराधिक न्यास भंग का अपराध पुलिस अधिकारी द्वारा कारित किया जाता है। जिसके लिए पुलिस अधिकारी को आजीवन कारावास या 10 वर्ष का कारावास और जुर्माना से दंडित किया जा सकता है।

31. Ans. [c]
लिंकिंग प्रावधान – धारा **405(धारा** 316(1) BNS) उदा. (च) **L/w 403(धारा** 314 BNS)**, 406(धारा** 316(2) BNS) **IPC.**
स्पष्टीकरण- धारा 405(**धारा** 316(1) BNS) आपराधिक न्यास भंग से संबंधित है। आपराधिक न्यास भंग में, किसी व्यक्ति को संपत्ति सौंपना या संपत्ति पर किसी व्यक्ति का प्रभुत्व होना चाहिए।
उदाहरण च- भूमि या जल से ले जाने के लिए 'य' ने 'क' के पास, जो एक वाहक है, सम्पत्ति न्यस्त की है, 'क' उस सम्पत्ति का बेईमानी से दुर्विनियोग कर लेता है। क ने आपराधिक न्यास भंग किया है।

32. Ans. [c]
स्पष्टीकरण - धारा 462 (334 BNS) :- श्याम द्वारा बेईमानी पूर्वक अपने को न्यस्त किये गए बक्से को रिष्टि करने करने का लिए तोड़कर खोल गया तथा श्याम ने धारा 462 (334 BNS) के अंतर्गत अपराध किया।

33. Ans. [d]
लिंकिंग प्रावधान:-
1. **धारा 442 (धारा 329 BNS) -** गृह-अतिचार।
2. **धारा 448 (धारा 329 BNS) -** गृह-अतिचार के लिए दण्ड।

स्पष्टीकरण: - **धारा 443 (धारा 330 BNS) :** जो कोई भी ऐसे घर-अतिचार को किसी ऐसे व्यक्ति से छिपाने के लिए सावधानी बरतते हुए घर-अतिचार करता है, जिसके पास अतिचारी को इमारत, तम्बू या जहाज से बाहर निकालने या बाहर निकालने का अधिकार है, जो अतिचार का विषय है, "प्रच्छन्न गृह अतिचार" करना कहा जाता है।

34. Ans. [b]
लिंकिंग प्रावधान – धारा **425(धारा 324(1) BNS)** उदा. (ज) **L/w 426(धारा** 324(2) BNS) **IPC.**
स्पष्टीकरण-धारा 425(**धारा** 324(1) BNS) रिष्टि से संबंधित है। जो कोई इस आशय से या यह सम्भाव्य जानते हुए कि वह लोक या किसी व्यक्ति को सदोष हानि या नुकसान कारित करे, किसी संपत्ति का विनाश करता है, या उसके मूल्य या उपयोगिता को नष्ट करता है या कम करता है, या उसे क्षतिकारक रूप से प्रभावित करता है, वह "रिष्टि" करता है।
उदाहरण ज- क इस आशय से और यह जानते हुए कि वह य की फसल को नुकसान पहुंचा सकता है, य के खेत में मवेशियों को प्रवेश कराता है। क ने रिष्टि की है।

35. Ans. [c]
लिंकिंग प्रावधान:- धारा 23 (धारा **2(36)(37)(38) BNS)**– सदोष अभिलाभ और सदोष हानि
स्पष्टीकरण:- रिष्टि का अपराध IPC की धारा 425 **(**धारा **324(1) BNS)** के तहत परिभाषित किया गया है। IPC की धारा **(**धारा **324(1)-(6) BNS)** रिष्टि से संबंधित अपराध हैं।

36. Ans. [d]
लिंकिंग प्रावधान:-
1. **धारा 500 [धारा 356(2) BNS] –** मानहानि के लिए दण्ड।

JGP (Judiciary Guidance Program) - Click Now to Enroll
AIBE Study Materials – Click Here to Buy Now
AGP (Advocacy Guidance Program)- Click Now to Enroll
AIBE 22 Guidance Program- Click Now to Enroll

2. **धारा 501 [धारा 356(3) BNS]** – मानहानिकारक समझी जाने वाली बात को मुद्रित या उत्कीर्ण करना ।
3. **धारा 502 [धारा 356(4) BNS]** – मानहानिकारक विषय रखने वाले मुद्रित या उत्कीर्ण पदार्थ को बेचना ।
4. **CrPC की धारा 199 (धारा 222 BNSS)** – मानहानि का मुकदमा।

स्पष्टीकरण:- IPC की धारा 499 [धारा 356(1) BNS] के अनुसार, यदि कोई नुकसान पहुंचाने के आशय से या यह जानते हुए कि यह किसी अन्य व्यक्ति की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाएगा, गलत बयान, संकेत या दृश्य प्रतिनिधित्व करता है या प्रकाशित करता है, तो सिवाय विशिष्ट छूट वाले मामलों के, उन्हें उस व्यक्ति की मानहानि करने के लिए कहा जाता है, आपराधिक मानहानि के अपवाद नीचे सूचीबद्ध किए गए हैं:

1. सत्य का आरोपण जिसे जनता की भलाई के लिए किया या प्रकाशित किया जाना आवश्यक है।
2. लोक सेवकों का लोक आचरण।
3. किसी भी लोक प्रश्न के संबंध में किसी भी व्यक्ति का आचरण।
4. न्यायालयों की कार्यवाहियों की रिपोर्ट का प्रकाशन।
5. न्यायालय में निर्णय किए गए मामले के गुणागुण या साक्षियों और अन्य संबंधित लोगों का आचरण।
6. लोककृति के गुणागुण।
7. दूसरे पर विधिपूर्ण प्राधिकार रखने वाले व्यक्ति द्वारा सद्भावनापूर्वक की गई परिनिंदा।
8. अधिकृत व्यक्ति के समक्ष सद्भावनापूर्वक अभियोग लगाना ।
9. किसी व्यक्ति द्वारा अपने या दूसरे के हितों की सुरक्षा के लिए सद्भावनापूर्वक लगाया गया लान्छन।
10. सावधानी उस व्यक्ति की भलाई के लिए जिसे संप्रेषित किया गया है या लोक कल्याण के लिए है।

37. Ans. [a]

स्पष्टीकरण- 'न्यूलम क्रिमेन नुल्ला पोएना साइन लेगे' से तात्पर्य है कि बिना पूर्व स्थापित आपराधिक विधि के कोई भी कार्य अपराध या दाण्डिक नहीं हो सकता।

38. Ans. [b]

स्पष्टीकरण- अपराध एक ऐसा मानवीय आचरण है जिसे समाज सामान्यतः अस्वीकार करता है। लेकिन आधुनिक अर्थ में, अपराध कोई भी ऐसा कार्य है जो लागू दंड विधि द्वारा निषिद्ध है, और जिसका परिणाम दंड है।

स्टीफन के अनुसार- "अपराध विधि द्वारा निषिद्ध कार्य है और जो एक ही समय में समाज की नैतिक भावनाओं के प्रति विद्रोह करता है।"

39. Ans. [d]

लिंकिंग प्रावधान:-

1. धारा 299 (धारा **100 BNS**) - आपराधिक मानववध
2. धारा 300 (धारा **101 BNS**) - हत्या
3. धारा 85 (धारा **23 BNS**) – अपनी इच्छा के विरुद्ध किए गए मत्तता के कारण निर्णय लेने में असमर्थ व्यक्ति का कार्य।

स्पष्टीकरण:- बासुदेव बनाम स्टेट ऑफ पेप्सू के मामले में यह निर्णय लिया गया था कि जहां एक खतरनाक उपकरण का उपयोग किया जाता है, जिसका उपयोग करने पर गंभीर शारीरिक क्षति होती है, मत्तता का पक्ष के दुर्भावनापूर्ण आशय के विचार पर कोई प्रभाव नहीं पड़ सकता है। इस मामले में धारा 86 (धारा 24 BNS) के तहत सुरक्षा नहीं दी गई थी।

40. Ans. [b]

लिंकिंग प्रावधान:-

1. धारा 299 (धारा **100 BNS**)– आपराधिक मानववध
2. धारा 300 (धारा **101 BNS**) – हत्या
3. धारा 304 (धारा **105 BNS**)– हत्या की कोटि में न आने वाले आपराधिक मानववध के लिए दंड ।

स्पष्टीकरण:- रेग बनाम गोविंदा (1876) – इस मामले में, न्यायमूर्ति मेलविल द्वारा अंतिम निर्णय दिया गया था कि जिन अभियुक्तों को सत्र न्यायालय द्वारा सजा सुनाई गई थी, उन्हें आपराधिक मानववध के अपराध के लिए दंडित किया जाना चाहिए जो हत्या की श्रेणी में नहीं आता क्योंकि धारा 300 के तहत दोषसिद्धि के लिये उनका आशय ऐसा नहीं था। इस प्रकार उन्हें आदेश दिया गया और सात साल के कारावास की सजा सुनाई गई।

AIBE 22
Guidance Program
(Live + Recorded)
This is a smart, Bare Acts–based program designed with a single-minded goal
Crack the AIBE (All India Bar Examination)

Scan this QR
Course Brochure
Live Classes
Study Material Access
Recorded Classes
Full Mock Test
6 Months Validity
Practice Test Series
Linking Support
988 774 6465 (Classes)
773 774 6465 (Publication)
Scan this QR
Enrol Now or visit
linkinglaws.classx.co.in
www.LinkingLaws.com

JGP (Judiciary Guidance Program) - Click Now to Enroll
AIBE Study Materials – Click Here to Buy Now
AGP (Advocacy Guidance Program)- Click Now to Enroll
AIBE 22 Guidance Program- Click Now to Enroll

Advocacy Booklet

is available at

www.LinkingLaws.com >> Linking Publication

STEPS TO ADVOCACY

Link LL.B with Practice

What You'll Learn

- English Edition
- Practical Advocacy Strategies
- Courtroom Legal Practice
- Essential Professional Skills
- From Beginner to Established Practice
- Role of a Senior Advocate
- Building a Sustainable Legal Career

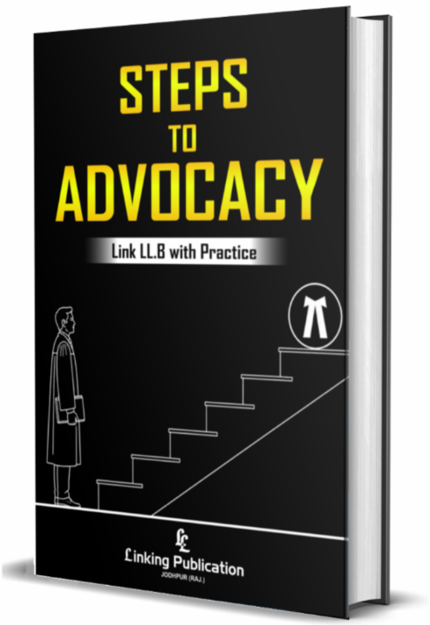

ADVOCACY GUIDANCE PROGRAM (AGP)

Validity - 03 Months

Complete Syllabus Coverage

Civil Court Practice | Criminal Court Practice | Cyber Law Practice | Dual Mode Learning | Legal Personality Development | Structured 3 Volumes

Linking Support
988 774 6100 (Classes)
773 774 6465 (Publication)

Scan this QR
ENROL NOW

Scan this QR
Order Now or visit
www.LinkingLaws.com

E-Study Material for Judiciary and Law Exams
is available at **Linking App.**